



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 58]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 5, 2003/माघ 16, 1924

No. 58]

NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 5, 2003/MAGHA 16, 1924

वित्त और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 2003

सा. का. नि. 89(अ).— केन्द्रीय सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 314 की उपधारा (1ख) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम निदेशक के नातेदार (लाभ का पद या स्थान) नियम, 2003 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना.— ये नियम, कम्पनी अधिनियम, 1956 के अधीन रजिस्ट्रीकृत सभी कम्पनियों को, इन नियमों में यथा उपबन्धित के सिवाय, लागू होंगे।

3. निदेशक के नातेदारों, आदि की नियुक्ति के मामले में केन्द्रीय सरकार का अनुमोदन.— किसी कम्पनी में लाभ के ऐसे पद या स्थान पर, जिस पर मासिक पारिश्रमिक 50,000 रुपये प्रतिमास से अधिक है, कोई नियुक्ति तब तक प्रभावी नहीं होगी जब तक कि आवेदन पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निम्नलिखित की बाबत अनुमोदन न कर दिया गया हो—

(क) किसी निदेशक या प्रबंधक का भागीदार या नातेदार; या

(ख) वह फर्म जिसमें ऐसा निदेशक या प्रबंधक या दोनों में से किसी का नातेदार भागीदार है; या

(ग) प्राइवेट कम्पनी जिसमें ऐसा निदेशक या प्रबंधक या दोनों में से किसी का नातेदार निदेशक या सदस्य है।

4. आवेदन की जांच के लिए प्रक्रिया.— नियम 3 के अधीन आवेदन, कम्पनी अधिनियम, 1956 के अधीन सभी अन्य अपेक्षाओं के अतिरिक्त, निम्नलिखित की बाबत जांच की जाएगी :—

(1) नियुक्त व्यक्ति से एक वचनबंध कि वह कम्पनी के अनन्य नियोजन में होगा/होगी और किसी अन्य कम्पनी में लाभ का कोई स्थान धारण नहीं करेगा/करेगी।

(2) नियुक्त व्यक्ति को संदत्त की जाने के लिए प्रस्तावित सभी भत्तों और परिलब्धियों का धनीय मूल्य और कुल पारिश्रमिक पैकेज (मासिक/वार्षिक) और सेवाओं के ब्यौरे जो उसके द्वारा कम्पनी को दी जाएंगी।

(3) शेयर धारण का पैटर्न, विशेष रूप से निदेशक और उसके/उसकी/उनके नातेदारों के साथ शेयर धारण करना, पब्लिक अभिधृति, संस्थागत अभिधृति (प्रत्येक संस्था का पृथक-पृथक)।

(4) समान रूप से पदस्थापित कार्यपालकों की शैक्षिक अर्हता/अनुभव, वेतनमान, भत्ते और अन्य फायदे। किसी नातेदार की नियुक्ति की दशा में कम्पनी के निदेशक/कम्पनी सचिव से यह वचनबन्ध कि समान रूप से पदस्थापित कर्मचारी तुलनीय वेतन प्राप्त कर रहे हैं, भी आवेदन के साथ संलग्न किया जाएगा।

(5) उन कर्मचारियों की सूची/विशेषियाँ जो प्रतिमास 50,000 रुपये या उससे अधिक पारिश्रमिक पा रहे हैं।

(6) कम्पनी में प्रबन्धक/पूर्णकालिक निदेशक, प्रबन्धक के रूप में या कम्पनी में किसी अन्य पद पर नियुक्त किए गए सभी निदेशकों के नातेदारों की कुल संख्या; प्रत्येक नातेदार को संदत्त कुल पारिश्रमिक और कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 198 के प्रयोजन के लिए यथा परिगणित लाभ के प्रतिशत के रूप में उनको दी गई रकम के साथ कुल संदत्त पारिश्रमिक।

(7) कम्पनी में लाभ के पद या स्थान को धारण करने के लिए किसी निदेशक के किसी नातेदार का चयन और नियुक्ति का उसी प्रक्रिया को अमल कर अनुमोदन किया जाएगा जो गैर नातेदारों को लागू होती है। तथापि, पब्लिक कम्पनियों की दशा में, कम्पनी में लाभ का पद या स्थान धारण करने के लिए किसी नातेदार का चयन, चयन समिति द्वारा भी अनुमोदित किया जाना होगा।

स्पष्टीकरण—नियम 4 के उपनियम (7) के प्रयोजनों के लिए "चयन समिति" पद से ऐसी समिति अभिप्रेत है जिसके बहुसंख्यक सदस्य स्वतंत्र निदेशक और कम्पनी से बाहर का तत्संबन्धी क्षेत्र के विशेषज्ञ होंगे।

[फा. सं. 5/23/2002-सीएल. V]

राजीव महर्षि, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th February, 2003

G. S. R. 89(E).—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 642, read with sub-section (1B) of Section 314 of the Companies Act, 1956, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. **Short Title and Commencement.**—(1) These rules may be called Director's Relatives (Office or Place of Profit) Rules, 2003.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Applicability.**—These rules shall apply to all companies registered under the Companies Act, 1956 except as provided in these rules.

3. **Approval of the Central Government in case of Appointment of Relatives etc. of Directors.**—No appointment for an office or place of profit in a company shall take effect unless approved by the Central Government on an application, in respect of:—

(a) Partner or relative of a Director or Manager; or

(b) Firm in which such Director or Manager, or relative of either is a partner; or

(c) Private company of which such Director or Manager or relative of either is a Director or Member, which carries a monthly remuneration exceeding Rs. 50,000 p.m.

4. **Procedure of examination of applications.**—The application under rule 3 shall be examined with respect to the following, in addition to all other requirement under the Companies Act, 1956:—

(1) An undertaking from the appointee that he/she will be in the exclusive employment of the company and will not hold a place of profit in any other company.

(2) The monetary value of all allowances and perquisites and of total remuneration package (monthly/annually) proposed to be paid to the appointee and details of the services that will be rendered by him to the company.

(3) Shareholding pattern particularly the shareholding of the Directors along with his/her/their relatives, the public holding, institutional holding (each institution separately).

(4) The educational qualification/experience, pay scale, allowances and other benefits of similarly placed executives. In case of the appointment of a relative, then, an undertaking from the Director/Company Secretary of the company that the similarly placed employees are getting the comparable salary shall also be enclosed along with the application.

(5) List/particulars of the employees who are in receipt of remuneration of Rs. 50,000/- or more per month.

(6) The total number of relatives of all the Directors either appointed as Managing/whole time Director, Manager or in any other position in the company; the total remuneration paid to each relative and the total remuneration paid to them altogether as a percentage of profits as calculated for the purpose of Section 198 of the Companies Act, 1956.

(7) The selection and appointment of a relative of a Director for holding office or place of profit in the company shall be approved by adopting the same procedure applicable to non-relatives. However, in the case of public companies, the selection of a relative of Director for holding place of office or profit in the company shall have to be also approved by a Selection Committee.

Explanation.—For the purposes of sub-rule (7) of Rule 4, the expression "Selection Committee" means a Committee, the majority of which shall consist of independent Directors and an expert in the respective field from outside the company.

[F. No. 5/23/2002-CL. V]

RAJIV MEHRISHI Jt. Secy.